हिंदी पाठ्यक्रम (Hindi)

कक्षा दसवीं

Max. Marks : 80 ***Time allowed : 3 hours***

दसवीं कक्षा तक आते-आते भाषायी कौशलों पर बच्चों का अच्छा अधिकार हो जाता है अर्थात् वे अपने स्तर के विषयों की रचनाएँ पढ़कर समझ सकते हैं तथा उन पर अपनी मौखिक और लिखित प्रतिक्रिया व्यक्त कर सकते हैं।

सामान्य उद्देश्य

छात्रों में :-

1. भाषा के शुद्ध, उपयुक्त एवं प्रभावपूर्ण प्रयोग की योग्यता का विकास हो।
2. शब्द-भंडार की वृद्धि तथा उसके यथोचित प्रयोग की योग्यता का विकास हो।
3. अर्थबोध के साथा सुनने और पढ़ने की योग्यताओं का विकास हो।
4. मौखिक एवं लिखित अभिव्यक्ति की योग्यताओं का विकास हो।
5. ज्ञान एवं आनंद प्राप्त करने के लिए स्वतंत्र रूप में पढ़ने की योग्यता का विकास हो।

छात्र

6. साहित्य की विविध विधाओं से परिचित हो सकें।
7. साहित्य के रसास्वादन की योग्यता विकसित कर सकें।
8. साहित्य के अध्ययन द्वारा मनोभावों को उदात्त बनाकर सद्वृत्तियों का विकास कर सकें।
9. पाठ्यपुस्तकों में आए हुए साहित्यकारों का सामान्य परिचय प्राप्त कर सकें।
10. चिन्तन-शक्ति विकसित कर सकें।

विशिष्ट उद्देश्य

(क) मौखिक अभिव्यक्ति की योग्यता बढ़ाना–

1. सामाजिक, राजनैतिक, वैज्ञानिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर बातचीत, संवाद, परिचर्चा एवं वाद-विवाद में भाग लेने से।
2. स्वागत करना, परिचय लेना-देना और धन्यवाद देना, कृतज्ञताज्ञापन, संवेदना, बधाई आदि की भाषा से परिचित होकर यथावसर व्यवहार में लाने में।
3. 5 से 10 मिनट तक भाषण देने से।
4. अभिनय में भाग लेने से।

(ख) पठन-योग्यता का विकास–

1. मुखर वाचन में अपेक्षित गति तथा अनुमान के साथ शुद्ध पढ़ने से।
2. अर्थबोध एवं गति के साथ मौन वाचन करने से।
3. शब्द के तीनों अर्थों – वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ और व्यंग्यार्थ को समझ लेने से।
4. अध्ययन करके केंद्रीय विचार एवं सार ग्रहण करने से।

5. शब्द-कोश, संदर्भ-ग्रंथ, विषय-सूची, अनुक्रमणिका आदि देखकर वांछित सामग्री ढूंढ़कर उसका उपयोग करने से।
6. आलोचनात्मक दृष्टि से पढ़ने और पठित सामग्री पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करने से।
7. ज्ञान तथा आनंद के लिए पढ़ने से।
8. पाठ्यवस्तु और उसकी सराहना करने से।
9. साहित्य के प्रति अभिरुचि का विकास करने से।

(ग) शब्द-भण्डार में वृद्धि–

1. स्तरानुसार शब्दों और मुहावरों के ज्ञान में क्रमिक वृद्धि करना।
2. उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास आदि के आधार पर शब्दों के अर्थ मालूम करना।
3. शब्दकोश की सहायता से नवीन शब्दों के प्रसंगानुकूल अर्थ-ज्ञान करना।
4. संदर्भ-अनुसार शब्दों के अर्थ पहचानना।

(घ) अर्थबोध एवं सराहना–

1. पाठ में वर्णित प्रमुख तथ्यों, भावों एवं विचारों का चयन करना और उनके पारस्परिक संबंध पहचानना।
2. पाठ में विषय-वस्तु तथा उसके केंद्रीय भाव को समझना।
3. पठित पाठ की पूर्व ज्ञान से तुलना एवं मूल्यांकन करना।
4. कवि/लेखक के मनोभाव समझना।
5. पाठ में अभिव्यक्त विचार एवं शैली पर अपनी सहमति देना।
6. पठित-अपठित अनुच्छेदों के शीर्षक देना।
7. कविता के प्रमुख उपादान तुक, लय, यति आदि से परिचित होना।
8. शब्द-चित्र एवं अलंकारों-अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा को समझना।
9. कविता में छंद (दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित, सवैया) पहचानना।

(ङ) वर्तनी और भाषा–

1. लिपि के मानक रूप का ही व्यवहार करना।
2. परिचित शब्द शुद्ध रूप से लिखना
3. रूप-विज्ञान एवं ध्वनि-विज्ञान के नियमों के आधार पर शब्दों की उचित वर्तनी जानना।
4. विराम चिह्नों का शुद्ध प्रयोग करना।
5. लेखन के लिए व्यवहारोपयोगी शब्द-भण्डार की वृद्धि करना और उनका उपयुक्त एवं प्रसंगानुकूल प्रयोग करना।
6. शब्दों, मुहावरों और पद्बंधों का प्रभावशाली और उपयुक्त प्रयोग करना तथा समानार्थक शब्दों के प्रयोग में सावधानी बरतना।
7. शुद्ध प्रभावपूर्ण भाषा तथा लेखन शैली का स्वाभाविक रूप से प्रयोग करना।
8. विषय उपयुक्त अनुच्छेदों में बांटकर लिखना।

(च) रचना-कौशल–

1. अपने भावों एवं विचारों को उपयुक्त विधा में अभिव्यक्त करना।

2. विभिन्न प्रकार की रचनाओं जैसे पत्र, निबंध आदि के लिए उपयुक्त रूपाकार और तकनीक का अनुसरण करना।

3. आवश्यकतानुसार अपनी रचना को प्रभावशाली बनाने हेतु उपयुक्त उद्धरणों, प्रसंगों, उदाहरणें, शब्दों, पदबंधों और मुहावरों का प्रयोग करना।

निर्धारित पुस्तकें–

(1) नवभारती (नई पुस्तक) (गहन अध्ययन के लिए)
जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजूकेशन द्वारा प्रकाशित।

(2) मानक हिंदी व्याकरण - राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित।

1. प्रश्नपत्र का प्रथम वस्तुनिष्ठ प्रश्न (नवभारती पुस्तक) पर आधारित होगा। 10
2. किसी एक पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या। (विकल्प सहित) 4
3. किसी कविता का भावार्थ। (विकल्प सहित) 4
4. किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या। (विकल्प सहित) 4
5. किसी एक गद्य पाठ का सार सौ शब्दों में। (विकल्प सहित) 4
6. गद्य पाठों पर आधारित तीन प्रश्नों के उत्तर। (विकल्प सहित) 2+2=4
7. हिन्दी साहित्य का इतिहास में से हिन्दी कविता के काल संबंधी, उपन्यास, नाटक, कहानी संकलन, एकांकी संकलन, रेखाचित्र/संस्मरण, आत्मकथा/जीवनी, साहित्य के काल संबंधी तीन प्रश्न पूछे जाएंगे। 3+2+3=8
8. निबंध-लेखन :- किन्हीं पांच दिए गए निबंधों में से एक निबंध लिखना।
विषय :- सामाजिक, वैज्ञानिक, पर्यावरण-संबंधी, त्यौहार (सामजिक तथा राष्ट्रीय), शैक्षिक, यात्रा-संबंधी, ऐतिहासिक स्थान, विद्यार्थी-जीवन संबंधी (अनुशासन, नैतिकता, सहपाठ्यक्रमीय गतिविधियाँ), महान् व्यक्तित्व, नेता, महापुरुष, वैज्ञानिक, लेखक/कवि, अभिनेता/कलाकार। 8
9. पत्र-लेखन :- (दिए गए दो पत्रों में से एक पत्र लिखना) 6
विषय :- पारिवारिक, सामाजिक, व्यावसायिक, कार्यालीय, आवेदन-पत्र, संपादक के नाम पत्र।
10. अपठित गद्यांश का सार, शीर्षक तथा एक प्रश्न का उत्तर। 6
11. अलंकार - (अनुप्रास, यमक, उपमा, रूपक, अतिश्योक्ति) दिए गए पद्यांश में से अलंकार बनाना। (विकल्प सहित) 2
छंद :- (दोहा, सोरठा, चौपाई, कवित्त, सवैया) दिए गए पद्यांश में से छंद बताना। (विकल्प सहित) 2
12. (क) दिए गए वाक्य में संज्ञा पद्बंध, विशेषण पदबंध, क्रिया पद्बंध तथा क्रिया-विशेषण पद्बंध छाँटना। (इसमें से एक वाक्य विकल्प सहित पूछा जाएगा) 2
(ख) वाक्य-विश्लेषण - सरल वाक्य, संयुक्त तथा मिश्र वाक्य। सरल वाक्यों को संयुक्त अथवा मिश्र वाक्य में परिवर्तित करना तथा मिश्र या संयुक्त वाक्य को सरल वाक्यों में लिखना। (विकल्प सहित)
(ग) किन्हीं दो मुहावरों का वाक्यों में प्रयोग। 2
13. संधि, संधि-विच्छेद, समास, विग्रह। वाक्य-परिवर्तन। क्रिया-अकर्मक, सकर्मक। (इसमें से दो प्रश्न विकल्प सहित पूछने हैं) 2+2=4

14. समानार्थक, भिन्नार्थक, अनेकार्थक, पर्यायवाची, अनेक शब्दों के लिए एक शब्द, विराम-चिह्न। (इसमें से दो प्रश्न विकल्प सहित पूछने हैं) 2+2=4

15. उपसर्ग, प्रत्यय, विशेषण की रूप-रचना तथा अवस्थाएँ। (इसमें से दो प्रश्न विकल्प सहित पूछने हैं।) 2

16. संज्ञा से भाववाचक संज्ञा तथा विशेषण से संज्ञा बनाना। सर्वनाम के भेद तथा उपभेद। (इसमें से दो प्रश्न विकल्प के साथ पूछने हैं।) 2+2=4

टिप्पणी :- अध्यापक कुछ अन्य पुस्तकें भी पढ़ने के लिए छात्रों को सुझाए :-

उदाहरणतया :-

1. उपन्यास, 2. नाटक, 3. कहानी संकलन, 4. एकांकी संकलन, 5. रेखचित्र/संस्मरण, 6. आत्म-कथा/जीवनी। इनके अतिरिक्त सामाजिक, आर्थिक, औद्योगिक, व्यावसायिक, राजनैतिक, सांस्कृतिक, खेल-कूद, यात्रा आदि विषयों पर निबंध-संकलन पूरक पठन के लिए निर्धारित करें।

हिंदी पाठ्यक्रम (Hindi)

कक्षा दसवीं

Max. Marks: 50 **Time allowed : 2 hours**

दसवीं कक्षा तक आते-आते बच्चों का द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी भाषा संबंधी कुशलताओं पर व्यावहारिक अधिकार तो हो जाता है। वे सरल विषयों पर अपने विचार बोलकर व लिखकर प्रकट कर सकते हैं–

उद्देश्य

1. भाषा के शुद्ध उचित और प्रभावपूर्ण प्रयोग की योग्यता का विकास करना।
2. अर्थ-बोध के साथ सुनने व पढ़ने की योग्यताओं का विकास करना।
3. मौखिक व लिखित अभिव्यक्ति की योग्यताओं का विकास करना।
4. ज्ञान व आनंद प्राप्ति के लिए स्वतंत्र रूप में पढ़ने की योग्यता का विकास करना।
5. स्वागत करना, परिचय लेना-देना, धन्यवाद देना, कृतज्ञताज्ञापन, संवेदना, बधाई आदि की भाषा से परिचित होना और यथावसर पालन करना।
6. कम से कम पाँच मिनट तक भाषण दे सकना। प्रभावपूर्ण ढंग से कहानी कहना, कविता पाठ करना और अभिनय में भाग लेना।
7. हिन्दी भाषा, साहित्य और संस्कृति के प्रति गौरव की भावना का विकास करना।
8. समाचार पत्र-पत्रिकाओं को पढ़ने के प्रति सुरुचि उत्पन्न करना।
9. साहित्य के रसास्वादन की योग्यता का विकास करना।
10. साहित्य के अध्ययन द्वारा बच्चों में सद्वृत्तियों का विकास करना।
11. पाठ्यवस्तु उसकी प्रस्तुति की सराहना की योग्यता का विकास करना।

निर्धारित पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित पाठ्यक्रम का अध्ययन करना है–

कविता – साखी, दोहे, हमारा प्यारा भारतवर्ष, मधुर-मधुर, दीपक जल, भिक्षुक।

कहानी – सपनों के - से - दिन, बड़े भाई साहब, हरिहर काका।

निबन्ध – जम्मू कश्मीर में हिन्दी, जम्मू की चित्रकला।

संस्मरण - कश्मीर का लोकनाटक "बॉडपाऽथर"।

उपर्युक्त पाठों के आधार पर इस प्रकार के प्रश्न पूछे हैं–

(क) बोध संबंधी प्रश्न।	अंक 04
(ख) शब्द व अर्थ विचार।	अंक 03
(ग) किसी एक गद्यांश को सरल हिन्दी में लिखना।	अंक 04
(घ) किसी एक पद्यांश को सरल हिन्दी में लिखना।	अंक 04
(ङ.) किसी पाठ का संक्षेपीकरण।	अंक 05

निबंध पत्र व व्याकरण–

(क) निबंध किसी साधारण विषय संबंधी (कम से कम 250 शब्द)।	अंक 07

(ख)	प्रस्तुत की गई रूप रेखा के अनुरूप कहानी लिखना।	अंक 05
(ग)	पत्र-लेखन-विषय निजी पत्र, व्यावसायिक पत्र व सरकारी पत्र।	अंक 05
(घ)	अलंकार (अनुप्रास, यमक, उपमा तथा अतिश्योक्ति)	अंक 03
(ड.)	छन्द – (दोहा, सोरठा तथा चौपाई) और मुहावरे	अंक 05
(च)	संधि, समास, विलोम शब्द, उपसर्ग और प्रत्यय	अंक 05

निर्धारित पुस्तक

1. नवभारती (जम्मू-कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल ऐजूकेशन द्वारा प्रकाशित।)
2. मानक हिन्दी व्याकरण – राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद् द्वारा प्रकाशित।
3. टिप्पणी – सभी प्रश्न पाठ्य पुस्तक के अभ्यासों के आधार पर होंगे।